चीनी की इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती कर सकता है केंद्र

बढ़ती महंगाई और शुगर मिलों की तरफ से प्रॉडक्शन टारगेट घटाए जाने के बीच भारत सरकार चीनी पर लगने वाली 40% इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती करने पर विचार कर रही है। इंपोर्ट ड्यूटी घटाए जाने पर विचार किए जाने की जानकारी गवर्नमेंट ऑफिसर्स ने दी है। भारत चीनी का सबसे बड़ा कंज्यूमर है और घरेलू उत्पादन कमजोर रहने पर यह चीनी का इंपोर्ट करता है। इंपोर्ट ड्यूटी घटाकर सरकार देश में चीनी के दाम बढ़ने से रोकने के बारे में सोच रही है। पेज 6

शुगर की इंपोर्ट ड्यूटी में कमी कर सकती है सरकार

शुगर मिल्स एसोसिएशन के मुताबिक, इस सीजन में शुगर प्रॉडक्शन घटकर 2.03 करोड़ टन रहेगा जो पिछले साल से19% कम होगा

[माधवी शैली | नई दिल्ली]

बढ़ती महंगाई और शुगर मिलों की तरफ से प्रॉडक्शन टारगेट घटाए जाने के बीच भारत सरकार चीनी पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती करने पर विचार कर रही है। अभी सरकार शुगर इंपोर्ट पर 40 पर्सेंट की ड्यूटी लगा रही है। इंपोर्ट ड्यूटी घटाए जाने पर विचार किए जाने की जानकारी गवर्नमेंट ऑफिसर्स ने दी है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा कंज्यूमर है और घरेलू उत्पादन कमजोर रहने पर अक्सर यह चीनी का इंपोर्ट करता है। इंपोर्ट ड्यूटी घटाकर सरकार देश में चीनी के दाम बढ़ने से रोकने के बारे में सोच रही है।

इस साल 20 मार्च तक करेंट सीजन में शुगर प्रॉडक्शन 1.77 करोड़ टन रहा है, जबकि सरकार का आउटपुट टारगेट 2.25 करोड़ टन का है। इस महीने की शुरुआत में इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने कहा था कि इस सीजन में भारत का शुगर प्रॉडक्शन घटकर 2.03 करोड़ टन रहेगा जो एक साल पहले के मुकाबले 19 फीसदी कम होगा।

फूड मिनिस्ट्री के एक ऑफिसर ने बताया, 'उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव खत्म हो चुके हैं और केंद्र सरकार की तरफ से तय किए गए उचित एवं लाभकारी मूल्य के अनुसार किसानों को भुगतान किया जाने वाला गन्ने का बकाया घटकर 5,605 करोड़ रुपये रह गया है। ऐसे में रॉ शुगर की तय मात्रा इंपोर्ट करने के लिए सरकार सीमित अवधि के लिए इंपोर्ट ड्यूटी घटाने का फैसला कर सकती है।' उन्होंने कहा कि फूड मिनिस्ट्री ने इंपोर्ट ड्यूटी घटाने के लिए और इंपोर्ट की इजाजत देने के लिए कोई प्रपोजल केंद्र सरकार के पास नहीं भेजा है, लेकिन कॉमर्स, फाइनेंस और स्टैटिस्टिक्स जैसे दूसरे मंत्रालय बढ़ती महंगाई को ध्यान में रखते हुए यह फैसला ले सकते हैं।

भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा कंज्यूमर है और घरेलू उत्पादन कमजोर रहने पर अक्सर यह चीनी का इंपोर्ट करता है।

कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के मुताबिक, फरवरी में शुगर और कॉन्फेक्शनरी में 18.83 फीसदी की इनफ्लेशन देखने को मिली, जो इससे पिछले महीने में 18.69 फीसदी थी।

एक दूसरे ऑफिसर ने बताया कि मिनिस्ट्री ब्राजील में फसल की स्थिति देखने के अलावा ग्लोबल प्राइस मूवमेंट पर नजर रख रही है। श्री रेणुका शुगर्स के वाइस चेयरमैन नरेंद्र मुरकुंभी ने बताया, 'डोमेस्टिक प्रॉडक्शन अधिक से अधिक 1.95 करोड़ टन होगा। ग्लोबल लेवल पर कीमतें कमजोर हैं और इंपोर्ट से जुड़ा फैसला लेने के लिए समय बहुत कम है। सरकार को जल्द फैसला करना चाहिए।'

उनका कहना है कि शुगर इंपोर्ट पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि गर्मियों में डिमांड और खपत में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा, 'हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि प्रॉडक्शन के गलत आंकड़ों के आधार पर गलत पॉलिसी की ओर रुख किया जा सकता है।' चीनी की घटती ग्लोबल प्राइसेज के साथ श्री रेणुका शुगर्स, EID पैरी, सिंभावली शुगर्स और ED&F मैन इंपोर्ट के लिए कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी होंगी।